



समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश

मध्यप्रदेश सहकारी समाचार



हिन्दी/पाक्षिक

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in

E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

प्रकाशन दिनांक 1 सितम्बर, 2026, डिस्पेच दिनांक 1 सितम्बर, 2026

| वर्ष 70 | अंक 07 | भोपाल | 1 सितम्बर, 2026 | पृष्ठ 8 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

सहकारिता से हर गांव हो रहा समृद्ध : राजस्थान में नए डेयरी प्लांट और बैंक शुरू



केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने राजस्थान के अलवर से 17 जिलों के लिए रु. 6,453 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया

किसान सम्मान निधि, पशुपालकों के लिए 500 करोड़ रुपये की डेयरी व्यवस्था, युवाओं को नौकरी और माताओं-बहनों के लिए सरस डेयरी के विस्तार का कार्य हमारी सरकार ने किया है

2047 में भारत को पूर्ण विकसित बनाना है तो युवा, गरीब, किसान और महिला, इन चारों को सशक्त बनाना होगा, मोदी सरकार इसी संकल्प के साथ काम कर रही है

कोऑपरेटिव डेयरी में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदलने और नई पीढ़ी के लिए अनेक संभावनाओं के नए दरवाजे खोलने की ताकत है

सरस डेयरी के माध्यम से मात्र 7 दिन में राजस्थान की माताओं-बहनों को दूध का दाम मिल जाएगा

कोऑपरेटिव डेयरी में ग्रामीण अर्थव्यवस्था बदलने की ताकत है, मोदी जी का संकल्प है कि एक भी गांव कोऑपरेटिव से वंचित न रहे

2014 से लेकर 2026 तक एक भी साल ऐसा नहीं गया है जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किसानों और पशुपालकों के लिए कोई बड़ी योजना शुरू न की हो

प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने सबसे अधिक अनाज न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा है

मोदी जी सरकार सहकारिता के माध्यम से देश के हर गांव को समृद्ध बना रही है

प्रधानमंत्री मोदी जी ने सहकार से समृद्धि का जो मंत्र दिया है उसे चरितार्थ करते हुए हम हर गांव को समृद्ध बनाएंगे

अलवर में 3 लाख लीटर दूध प्रोसेसिंग प्लांट का भूमिपूजन हुआ है, जल्द ही इसकी क्षमता बढ़ाकर 5 लाख लीटर कर दी जाएगी

274 करोड़ रुपये की लागत से भीलवाड़ा, जयपुर, पाली और राजसमंद में सरस डेयरी के चार प्लांट शुरू हो रहे हैं

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने राजस्थान के अलवर में राज्य सरकार के रु. 6,453 करोड़ की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा, केन्द्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने के लिए युवा, गरीब, अन्नदाता एवं महिलाओं का सशक्तिकरण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सहकारिता और डेयरी क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने तथा किसानों एवं पशुपालकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की महत्वपूर्ण क्षमता रखते हैं।

अलवर में 3 लाख लीटर क्षमता का दूध प्रसंस्करण संयंत्र

केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि अलवर में 3 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले दूध प्रसंस्करण संयंत्र का भूमिपूजन किया गया है, जिसकी क्षमता शीघ्र बढ़ाकर 5 लाख लीटर प्रतिदिन किए जाने की योजना है। उन्होंने कहा कि बड़ी मात्रा में दूध की खरीद से पशुपालकों को नियमित आय प्राप्त होगी और इससे ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य अधिक दूध देने वाली गाय एवं भैंस की नस्लों को अलवर सहित पूरे राजस्थान के किसानों और पशुपालकों तक पहुंचाना है। पशुओं के बीमा तथा डेयरी क्षेत्र के विस्तार से पशुपालकों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ भविष्य में दुग्ध उत्पादों के निर्यात की संभावनाएं

भी बढ़ेंगी।

चार सरस डेयरी प्लांट और चार जिला बैंक शुरू

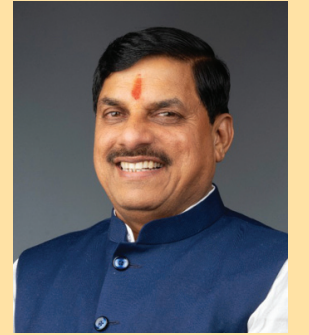
श्री शाह ने बताया कि अलवर के अलावा रु. 274 करोड़ की लागत से भीलवाड़ा, जयपुर, पाली एवं राजसमंद में सरस डेयरी के चार प्लांट भी शुरू किए जा रहे हैं। इसके साथ हीफलोदी, बालोतरा, डीडवाना-कुचामन एवं प्रतापगढ़ में चार जिला सहकारी बैंकों की शुरुआत की गई है। इन बैंकों के माध्यम से किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋणउपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत रु. 152 करोड़ की राशि डीबीटी के माध्यम से किसानों के खातों में हस्तांतरित की गई। वहीं मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 67 लाख किसानों को रु. 1,000 प्रति किसान की दर से रु. 667 करोड़ से अधिक की राशि प्रदान की गई।

राजस्थान में हर गांव तक

सहकारिता पहुंचाने का लक्ष्य

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि वर्तमान में राजस्थान में लगभग 44,000 सहकारी समितियां कार्यरत हैं। सरकार का लक्ष्य है कि राज्य का कोई भी गांव ऐसा न रहे, जहां सहकारी संस्था उपलब्ध न हो। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026-27 में 50 नए गोदाम बनाए जाने हैं। इसके अलावा 100 मीट्रिक टन क्षमता के 62 और 500 मीट्रिक टन क्षमता के 100 गोदाम पहले ही पूर्ण हो चुके हैं। इन प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उपज के भंडारण की सुविधा को और मजबूत किया जाएगा।

(शेष पृष्ठ 2 पर)



ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ कर रोजगार सृजन के नए अवसरों के साथ सहयोग एवं समता पर आधारित समाज की स्थापना में सहकारी आंदोलन की महती भूमिका है। अंत्योदय की अवधारणा के अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिये प्रदेश के सहकारी आंदोलन को सशक्त करना ही हमारी प्राथमिकता है।

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश



सहकारिता में संस्कार की संस्कृति को विकसित कर प्रदेश में आम आदमी की बेहतरी को सुनिश्चित करने के लिए हम कृत संकल्पित हैं।

विश्वास कैलाश सारंग
मंत्री, सहकारिता एवं खेल और
युवा कल्याण
विभाग, मध्यप्रदेश

अपेक्स बैंक की 62 वीं वार्षिक साधारण सभा संपन्न

अपेक्स बैंक ने 120 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया



भोपाल। अपेक्स बैंक के टी.टी. नगर स्थित सुभाष यादव भवन में 62वीं वार्षिक साधारण सभा का आयोजन हुआ, जिसकी अध्यक्षता करते हुए अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि विगत वर्षों में बैंक व्यावसायिक रूप से सभी क्षेत्रों में निरंतर उत्तरोत्तर वृद्धि की ओर बढ़ रहा है तथा इसके साथ ही सहकारी क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाने में सफल हुआ है।

श्री यादव ने बैठक में बताया कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने इस वर्ष को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाने के निर्देश दिए थे। अपेक्स बैंक मुख्यमंत्री जी के निर्देश का पालन करते हुए इसका क्रियान्वयन करने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है और प्रदेश के ऐसे 10 लाख किसान जो अभी तक सहकारी समितियों से नहीं जुड़े थे, उन्हें मध्य प्रदेश सरकार की जनहितैषी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने की दिशा में सहकारी समितियां

से जोड़ने के लिए मैंने पूरे मध्य प्रदेश के 10 संभाग एवं 27 जिलों का अभी तक प्रवास कर आज तक लगभग 3 लाख 35 हजार नवीन सदस्यों को हमारी पैक्स का सदस्य बनाने के प्रयास किए हैं अब यह किसान भी 0% ब्याज पर 1 वर्ष के लिए रु. 3 लाख का ऋण प्राप्त कर सकते हैं। हम सहकारिता के माध्यम से निश्चित ही इस वर्ष किसानों को 25000 करोड़ से अधिक का फसल ऋण 0% ब्याज पर उपलब्ध कराएंगे शासन द्वारा 20 अगस्त से 15 सितंबर तक नवीन सदस्यता अभियान के तहत गैर सदस्य किसानों को पैक्स का सदस्य बनाकर नवीन केसीसी जारी करने के भी माननीय मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिए हैं, जिसके अंतर्गत किसानों को अब रवि फसल हेतु खाद का अग्रिम उठाव 0% ब्याज पर करवाना होगा।

श्री यादव ने यह भी बताया कि हम जल्द ही केसीसी जारी करने हेतु एक पोर्टल भी बना रहे हैं ताकि किसान को तुरंत ही शाखा या समिति स्तर पर

ऋण स्वीकृत हो जाए। आप सभी के सहयोग से मध्य प्रदेश देश में पहला ऐसा राज्य है जहां की सभी 4526 पैक्स का कंप्यूटराइजेशन हो चुका है और अब किसान को आनलाइन पासबुक प्रिंटिंग की सुविधा भी शीघ्र उपलब्ध हो सकेगी। इस वर्ष हम पूरे प्रदेश में लगभग 1 लाख पौधे लगाने में भी सफल हुए हैं। मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि अपेक्स बैंक द्वारा आईबीपीएस के माध्यम से समिति प्रबंधक कंप्यूटर ऑपरेटर एवं शाखा प्रबंधक के 1500 पदों पर भरती हेतु आयोजित परीक्षा का रिजल्ट भी अतिशीघ्र जारी होने वाला है।

अन्त में श्री यादव ने अपने उद्बोधन में माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय सहकारिता मंत्री जी, प्रमुख सचिव

सहकारिता, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक, सहकारी संस्थाएं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। प्रबंध संचालक श्री मनोज गुप्ता जी ने आमसभा में विगत वित्तीय वर्ष का लेखा-जोखा एवं आगामी वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए एजेंडा के बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस वर्ष अपेक्स बैंक ने रु. 120.00 करोड़ का लाभ अर्जित किया है। आमसभा में निर्धारित मापदंड पूर्ण करने वाले बैंक झाबुआ प्रथम, मुरैना द्वितीय व छतरपुर के सीईओ श्री आरजू इकबाल खान, श्री श्यामवीर सिंह गुर्जर, श्री शिवम शाह के साथ पैक्स कंप्यूटराइजेशन में इंडिया में प्रतिदिन डे-क्लोज करने में उज्जैन जिला बैंक के श्री उमेश बामने, बेस्ट फैकल्टी हेतु श्रीमती

स्निग्धा शुक्ला को सम्मानित किया।

आमसभा में श्री करुणेंद्र सिंह, संचालक अपेक्स बैंक, महाप्रबंधक नाबाई श्री एस. सी. साहू, आयुक्त सहकारिता के प्रतिनिधि श्री एच.एस. बाघेला, अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज के प्राचार्य श्री पी.एस.तिवारी, विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्रीमती अरुणा दुबे, श्री अरुण मिश्र, श्री अरविन्द बौद्ध, शीर्ष संस्थाओं के प्रबंध संचालक श्री महेंद्र दीक्षित, श्री रितुराज रंजन, श्री आर.एस. विश्वकर्मा, बैंक के प्रबंधक श्री आशीष राजोरिया, श्री विवेक मलिक, श्री करुण यादव, श्री समीर सक्सेना के साथ प्रदेश के समस्त जिला सहकारी बैंकों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित हुए।

अपेक्स बैंक प्रशासक श्री महेंद्र सिंह यादव ने सहकारी समिति पीरा (बमीठा), छतरपुर का किया दौरा



भोपाल। पन्ना प्रवास के दौरान अपेक्स बैंक प्रशासक माननीय श्री महेंद्र सिंह यादव जी ने वृहत्ताकार सहकारी समिति मर्यादित, पीरा (बमीठा), जिला छतरपुर का भ्रमण कर क्षेत्र के अन्नदाताओं से आत्मीय संवाद किया।

इस दौरान उन्होंने किसानों से खेती-किसानी, सहकारिता तथा उनकी स्थानीय आवश्यकताओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की और उनके सुझाव एवं विचार सुने। उन्होंने किसानों की समस्याओं एवं आवश्यकताओं

को समझते हुए सहकारिता के माध्यम से उन्हें बेहतर सुविधाएं एवं सहयोग उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ इस अवसर पर वृक्षारोपण भी किया गया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और किसानों की समृद्धि, दोनों ही क्षेत्र के सतत विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि सहकारिता को और अधिक सशक्त बनाते हुए किसानों की समृद्धि तथा क्षेत्र

के सतत विकास को नई गति प्रदान की जाए। सहकारी संस्थाओं को मजबूत बनाकर किसानों को उनके आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर विधायक श्री अरविंद पटैरिया जी, छतरपुर जिला सहकारी बैंक प्रशासक श्री करुणेंद्र प्रताप सिंह जी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रविराज सिंह यादव जी सहित समस्त कार्यकर्ता एवं संबंधितजन उपस्थित रहे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

सहकारिता से हर गांव हो रहा समृद्ध....

किसानों के लिए लगातार नई योजनाएं

श्री अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2014 से किसानों और पशुपालकों के हित में केंद्र सरकार द्वारा लगातार विभिन्न योजनाएं शुरू की गई हैं। इनमें गोकुल मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, ई-नाम, प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, एमएसपी में वृद्धि, पीएम किसान सम्मान निधि, कृषि अवसंरचना कोष, मत्स्य संपदा योजना, सहकारिता मंत्रालय की स्थापना, किसान समृद्धि केंद्र, राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन तथा पीएम धन-धान्य कृषि योजना प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को भी मजबूत किया है। बाजरा, सरसों, गेहूं, कपास और ज्वार सहित विभिन्न फसलों

के एमएसपी में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है।

‘सहकार से समृद्धि’ के मंत्र से विकसित होंगे गांव

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय का उद्देश्य देश के प्रत्येक गांव को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाना है। ‘सहकार से समृद्धि’ के मंत्र को साकार करते हुए सहकारी संस्थाओं, डेयरी, कृषि एवं ग्रामीण बैंकिंग को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से किसानों, पशुपालकों, महिलाओं एवं ग्रामीण समुदायों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा सकता है। अलवर में शुरू की गई विभिन्न परियोजनाएं इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

सांची कृषक उत्पादक सहकारी संस्था में भ्रमण एवं किसान बैठक आयोजित

सदस्यता विस्तार, किसान सहभागिता एवं व्यावसायिक गतिविधियों को गति देने पर जोर



भोपाल। सांची कृषक उत्पादक सहकारी संस्था के अंतर्गत दीवानगंज, सलामतपुर एवं सांची क्षेत्र में भ्रमण एवं बैठक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषकों को FPO से जोड़ना, सदस्यता एवं अंशपूजी में वृद्धि करना तथा क्षेत्र की आवश्यकता, प्रमुख कृषि उपज और बाजार की मांग के अनुरूप व्यावसायिक गतिविधियों की संभावनाओं पर चर्चा करना रहा। कार्यक्रम में श्री संजय कुमार सिंह, महाप्रबंधक, श्री सुभाष नंद तिवारी, मार्केटिंग एवं वैल्यू एडिशन एक्सपर्ट, श्री संतोष येड़े, सोशल मोबिलाइजेशन एक्सपर्ट तथा सुश्री नेहा यादव, राज्य समन्वयक उपस्थित रहे।

भ्रमण का प्रथम चरण दीवानगंज एवं सलामतपुर क्षेत्र में आयोजित किया गया। यहां कृषकों एवं FPO प्रतिनिधियों के साथ सोशल मोबिलाइजेशन, सदस्यता विस्तार, किसानों की सक्रिय भागीदारी तथा FPO के माध्यम से तत्काल प्रारंभ की जा सकने वाली संभावित व्यावसायिक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा की गई। कृषकों की आवश्यकताओं, क्षेत्र में उत्पादित प्रमुख फसलों एवं स्थानीय बाजार की संभावनाओं के आधार पर व्यवसाय विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके पश्चात सांची कृषक उत्पादक सहकारी संस्था, सांची में कृषकों एवं संचालक मंडल के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में संस्था की वर्तमान प्रगति, सदस्यता, अंशपूजी, व्यवसाय प्रारंभ करने की कार्ययोजना तथा आगामी गतिविधियों की समीक्षा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक श्री संजय कुमार सिंह ने कहा कि FPO की वास्तविक शक्ति किसानों की एकजुटता और सक्रिय सहभागिता में है। उन्होंने सभी कृषकों से संगठित होकर संस्था के माध्यम से कार्य करने तथा अधिक से अधिक किसानों को FPO की सदस्यता से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि FPO को केवल सदस्यता तक सीमित न रखते हुए इसे किसानों की आवश्यकताओं से जुड़ा एक मजबूत व्यावसायिक संगठन बनाया जाना चाहिए। इसके लिए क्षेत्रीय आवश्यकताओं, स्थानीय स्तर पर उत्पादित फसलों, किसानों की मांग तथा बाजार की संभावनाओं का आकलन कर ठोस व्यवसाय कार्ययोजना तैयार की जाए। श्री सिंह ने कहा कि किसानों द्वारा उत्पादित कृषि उपज के संग्रहण, ग्रेडिंग, पैकेजिंग, प्रसंस्करण एवं विपणन के साथ-साथ कृषि आदान एवं किसानों की अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति से संबंधित व्यावसायिक गतिविधियां FPO के माध्यम से विकसित की जा सकती हैं। इससे किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के साथ संस्था की नियमित आय का आधार भी तैयार किया जा सकेगा।

उन्होंने C-PPP मॉडल की संभावनाओं पर भी मार्गदर्शन देते हुए बताया कि उपयुक्त गतिविधियों में किसान, FPO एवं निजी भागीदार के सहयोग से व्यवसाय विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा सकता है। इसके लिए स्थानीय संसाधनों और बाजार की मांग के अनुरूप व्यवहार्य परियोजनाओं की पहचान करने पर जोर दिया गया।

बैठक में मार्केटिंग एवं वैल्यू एडिशन एक्सपर्ट श्री सुभाष नंद तिवारी द्वारा संभावित व्यवसाय, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन एवं विपणन से संबंधित जानकारी दी गई। वहीं सोशल मोबिलाइजेशन एक्सपर्ट श्री संतोष येड़े द्वारा किसानों को FPO से जोड़ने, सदस्यता विस्तार, किसान सहभागिता बढ़ाने तथा संगठन को मजबूत बनाने के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। राज्य समन्वयक सुश्री नेहा यादव भी पूरे कार्यक्रम एवं बैठक में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सांची कृषक उत्पादक सहकारी संस्था के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संचालक मंडल के सदस्य, FPO प्रतिनिधि एवं क्षेत्र के कृषक उपस्थित रहे। बैठक में सभी ने सामूहिक प्रयास से सदस्यता बढ़ाने, अंशपूजी सुदृढ़ करने तथा किसानों के हित में व्यवहार्य व्यावसायिक गतिविधियां शीघ्र प्रारंभ करने की दिशा में कार्य करने पर सहमति व्यक्त की।

किसानों को सुविधा सम्पन्न बनाना ही हमारा लक्ष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अन्नदाता किसानों की भलाई के लिये इनके खेत-खलिहानों और घर आंगन में समृद्धि लाने के लिए राज्य सरकार हरसंभव कोशिश कर रही है। किसानों का कल्याण कर सुविधा सम्पन्न बनाने के लक्ष्य की पूर्ति के लिए मिशन मोड में काम कर रहे हैं। बलराम कृषि महोत्सव इसी दिशा में किया जा रहा सरकार का एक सार्थक प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को मुख्यमंत्री निवास से दतिया जिले में हुए बलराम कृषि महोत्सव को वीडियो कांफ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सावन का अंतिम सोमवार है। भगवान महाकाल से प्रार्थना है कि प्रदेश के सभी किसानों के घर-भण्डार अन्न से भरे रहें, बाबा महाकाल सभी का कल्याण करे एवं सभी के घरों में समृद्धि की सौगात दें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया जिला 2 वस्तुओं के लिए सबसे अधिक जाना जाता है। पहला पीतांबरा माई का प्रसाद, जो पूरे देश भर में प्रसिद्ध है और दूसरा दतिया का गुड़, जो एक जिला-एक उत्पाद के तहत शामिल है। मध्यप्रदेश के किसान की भी पहचान दूर-दूर तक हो, इसके लिए सरकार हर संभव प्रयास कर किसानों के हित में अनेक योजनायें संचालित कर रही है। इस वर्ष 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उत्पादन हुआ। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में गेहूं 2700 रुपये प्रति क्विंटल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के साथ-साथ दतिया जिले का किसान भी आने वाले समय में खेती-किसानी के माध्यम से खूब आगे बढ़ेगा। आज धान की पैदावार में 32 क्विंटल से बढ़कर 36 क्विंटल प्रति हैक्टेयर बढ़ोत्तरी हुई है। मूंगफली और गेहूं का रकबा भी बढ़ा है। आने वाले समय में गेहूं और चने की फसल के लिए अब रात के साथ साथ दिन में भी किसानों को बिजली उपलब्ध करवाई जाएगी। अब किसान खाद-बीज की जरूरत के लिए लेने वाले ऋण को जून-जुलाई में जीरो पर्सेंट ब्याज पर जमा कर सकते हैं। पहले यह 31 मार्च तक जमा कराना होता था, किसानों के हित में हमने 31 मार्च तक ऋण राशि को जमा कराने के बंधन समाप्त कर दिया है।



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज का समय बदल रहा है। किसान उन्नति कर रहा है। उन्होंने सभी किसानों से कहा कि वे उन्नत कृषि तकनीक अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ाएं एवं जितना अधिक हो सके स्वावलंबी बनें। बच्चों के शादी, ब्याह पर कम से कम खर्च करें। साथ ही अपने बच्चों को अधिक से अधिक पढ़ाएँ लिखाएँ और आगे बढ़ाएँ। उन्होंने सभी किसानों से अपील करते हुए कहा कि जिले का कोई भी किसान अपनी खेती की जमीन न बेचे। आने वाले समय में खेती-किसानी का वक्त बदलने वाला है। अब यह एक लाभ का व्यवसाय बनता रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने हेतु कृषि के साथ-साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन एवं उद्यानिकी को बढ़ावा दे रही है। आने वाले समय में दुग्ध उत्पादन में मध्यप्रदेश ऊंचाईयों को छूएगा। डॉ. भीमराव अम्बडेकर कामधेनु योजना अन्तर्गत गौपालन को प्रोत्साहन मिल रहा है। इसके अन्तर्गत पांच हजार निराश्रित गौवंश रखा जायेगा।

कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी बलराम कृषि महोत्सव श्री कपिल यार्दे, श्री मेघसिंह गुर्जर, विधायक दतिया श्री घनश्याम सिंह, जिला पंचायत की कृषि स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री रामनरेश यादव, श्री प्रशांत ढेंगुला, श्री बृजेश यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

टीकमगढ़ में बी-पैक्स समितियों के प्रबंधकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित



भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ, भोपाल द्वारा आयोजित तथा नाबार्ड द्वारा प्रायोजित SOFTCOB योजनांतर्गत टीकमगढ़ जिले की बी-पैक्स (बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख) समितियों के प्रबंधकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन जिला सहकारी बैंक, टीकमगढ़ मुख्यालय के सभागृह में किया गया। कार्यशाला में जिले की विभिन्न बी-पैक्स समितियों के कुल 49 समिति प्रबंधक एवं सहायक प्रबंधकों ने सहभागिता की। कार्यशाला का उद्घाटन जिला सहकारी बैंक, टीकमगढ़ की बैंक मैनेजर (प्रशासन) सुश्री रुचि मिश्रा एवं फील्ड ऑफिसर श्री सिंघई द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, नौगांव के प्राचार्य श्री शिरीष पुरोहित ने सत्र का परिचय देते हुए प्रतिभागियों को पैक्स समितियों को बहुउद्देशीय सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना एवं इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान इफको, छतरपुर के क्षेत्रीय अधिकारी श्री इंदर सिंह मेवाड़ा ने इफको की विभिन्न योजनाओं एवं कृषि क्षेत्र

में उपयोगी उत्पादों की जानकारी प्रदान की। उन्होंने सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों तक कृषि संबंधी सेवाओं एवं उत्पादों की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने पर भी प्रकाश डाला। नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री मिर्जा फैजल ने पैक्स समितियों में व्यवसाय विविधीकरण को बढ़ावा देने में नाबार्ड की भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने समितियों को विभिन्न व्यवसायिक गतिविधियों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रशिक्षण के उपरांत प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए गए। प्रशिक्षार्थियों ने कार्यशाला को उपयोगी बताते हुए कहा कि प्रशिक्षण में दी गई जानकारी को वे अपने कार्यक्षेत्र में लागू कर पैक्स समितियों की गतिविधियों के विस्तार एवं व्यवसाय विविधीकरण में उपयोग कर सकेंगे। कार्यशाला का संचालन सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, नौगांव के प्रशिक्षक श्री हृदेश राय द्वारा किया गया। अंत में केंद्र के लिपिक श्री लवकुश त्रिपाठी ने उपस्थित अतिथियों, प्रशिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सीधी में बी-पैक्स समितियों के प्रबंधकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण



भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा संचालित सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, भोपाल द्वारा NABARD की SOFTCOB योजना के अंतर्गत जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित, सीधी के सभागार में बी-पैक्स (बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति) के प्रबंधकों हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री देवेश कुमार द्वारा मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। इस अवसर पर जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, सीधी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशय तिवारी विशिष्ट

अतिथि तथा सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, जबलपुर के प्राचार्य श्री व्ही. के. बर्वे उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बी-पैक्स समितियों के प्रबंधकों को निर्धारित समय-सारणी के अनुसार विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। प्रशिक्षण में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों की भूमिका, समितियों की कार्यप्रणाली, प्रबंधन, व्यवसायिक गतिविधियों तथा किसानों एवं ग्रामीण क्षेत्र को उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य बी-पैक्स समितियों के प्रबंधकों

की प्रबंधकीय क्षमता एवं कार्यकुशलता का विकास करते हुए समितियों को अधिक प्रभावी एवं बहुउद्देशीय स्वरूप में विकसित करना रहा।

कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विषय विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त की तथा विभिन्न विषयों पर चर्चा एवं प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बी-पैक्स समितियों को सुदृढ़ बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सहकारी संस्थाओं की भूमिका को और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा।

निवाड़ी में बी-पैक्स समितियों के प्रबंधकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला



भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा आयोजित तथा NABARD द्वारा प्रायोजित SOFTCOB योजनांतर्गत निवाड़ी जिले की बी-पैक्स समितियों के प्रबंधकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन विरोराखेत समिति के सभागृह में किया गया।

कार्यशाला में पृथ्वीपुर बैंक के शाखा प्रबंधक श्री संजय अग्निहोत्री द्वारा बैंक की विभिन्न योजनाओं एवं समितियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्रदान की गई। सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, नौगांव के प्राचार्य श्री शिरीष पुरोहित द्वारा सत्र का परिचय देते हुए PACS को बहुउद्देशीय सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बी-पैक्स समितियों की कार्यप्रणाली, विभिन्न व्यवसायिक गतिविधियों के संचालन तथा समितियों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए अपने अनुभव साझा किए तथा प्रशिक्षण को अपने कार्यक्षेत्र के लिए उपयोगी बताया।



कार्यक्रम का संचालन सहकारी प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षक श्री हृदेश रॉय द्वारा किया गया। कार्यशाला के अंत में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। केंद्र के लिपिक श्री लवकुश त्रिपाठी द्वारा उपस्थित अतिथियों एवं प्रशिक्षणार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। कार्यशाला में निवाड़ी जिले की बी-पैक्स समितियों के कुल 34 समिति प्रबंधक एवं सहायक प्रबंधकों ने सहभागिता की। यह प्रशिक्षण कार्यशाला बी-पैक्स समितियों को बहुउद्देशीय एवं सक्षम सहकारी संस्थाओं के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रही।

छतरपुर में बी-पैक्स समितियों के प्रबंधकों हेतु दो दिवसीय कार्यशाला



भोपाल। नाबार्ड द्वारा प्रायोजित SOFTCOB योजना के अंतर्गत छतरपुर जिले की बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (बी-पैक्स) के प्रबंधकों एवं सहायक प्रबंधकों हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ बैंक सभागृह में किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शिवम शाह, बैंक मैनेजर श्री प्रमोद तिवारी एवं सहकारिता विभाग के ऑडिट ऑफिसर श्री बी. के. सोधिया द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र में सहकारी प्रशिक्षण केंद्र के प्राचार्य श्री शिरीष पुरोहित द्वारा सत्र का परिचय प्रस्तुत किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को PACS को बहुउद्देशीय सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने हेतु कार्ययोजना के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की।

कार्यशाला के दौरान छतरपुर इफको के क्षेत्रीय अधिकारी श्री इंद्र सिंह मेवाड़ा द्वारा इफको की विभिन्न योजनाओं एवं उत्पादों तथा उनके उपयोग के संबंध में प्रतिभागियों को जानकारी दी गई। उन्होंने सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों तक कृषि संबंधी सुविधाओं एवं उत्पादों की पहुंच बढ़ाने पर भी जानकारी साझा की।

कार्यशाला के आयोजन एवं व्यवस्थाओं में सहकारी प्रशिक्षण केंद्र के लिपिक श्री लवकुश त्रिपाठी द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। इस दो दिवसीय कार्यशाला में छतरपुर जिले की विभिन्न बी-पैक्स समितियों के कुल 42 समिति प्रबंधक एवं सहायक प्रबंधक प्रतिभागिता कर रहे हैं। कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों को बी-पैक्स के सुदृढ़ीकरण, बहुउद्देशीय गतिविधियों के विकास एवं समितियों की कार्यक्षमता बढ़ाने से संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है।

नरसिंहपुर में PACS प्रबंधकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला



भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ, भोपाल द्वारा संचालित सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, भोपाल के तत्वावधान में नाबार्ड प्रायोजित सॉफ्टकॉब (SOFTCOB) प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला सहकारी बैंक नरसिंहपुर की पैक्स (PACS) सहकारी समितियों के प्रबंधकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बहुउद्देशीय सहकारी समितियों की कार्ययोजना एवं बी-पैक्स के व्यवसाय विविधीकरण विषय पर प्रतिभागियों को जानकारी एवं प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य पैक्स समितियों को बहुउद्देशीय गतिविधियों से जोड़ते हुए उनके व्यवसाय में विविधता लाने तथा समितियों की कार्यक्षमता और आर्थिक सुदृढ़ता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक (DDM), जिला सहकारी बैंक नरसिंहपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, जबलपुर के प्राचार्य की उपस्थिति रही। अधिकारियों एवं विशेषज्ञों द्वारा पैक्स समितियों की भूमिका, व्यवसाय विविधीकरण की संभावनाओं तथा बहुउद्देशीय सहकारी समितियों के रूप में विकास की दिशा में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गई।

खंडवा में बी-पैक्स समिति के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम



भोपाल। सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, इंदौर द्वारा बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था (बी-पैक्स), गुयड़ा, तहसील पुनासा-मुंदी, जिला खंडवा में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के सहायक श्री विमल खेड़े, कंप्यूटर ऑपरेटर श्री फिरोज खान, सेल्समैन श्री संजय पटेल सहित संस्था के सम्माननीय सदस्य उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला प्रशिक्षक श्री राहुल श्रीवास ने प्रतिभागियों को पैक्स समितियों में नवाचार की आवश्यकता, सहकारिता को व्यवसाय से जोड़ने, 'सहकार से समृद्धि' की अवधारणा तथा सहकारिता की आवश्यकता, विजन एवं मिशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की। उन्होंने बदलते समय के अनुरूप पैक्स समितियों में नई गतिविधियों एवं व्यवसायिक अवसरों को अपनाने तथा समितियों को अधिक प्रभावी एवं आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया।

प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों को सहकारी संस्थाओं की कार्यप्रणाली में नवाचार एवं व्यवसाय विविधीकरण की भूमिका के बारे में भी अवगत कराया गया। साथ ही सहकारिता के माध्यम से सदस्यों एवं कृषकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर संस्था के कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा संस्था की कार्ययोजना एवं कार्यप्रणाली से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बी-पैक्स समितियों की कार्यक्षमता बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा सहकारी संस्थाओं को व्यवसायिक रूप से सशक्त बनाने के लिए आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान करना रहा।

शाजापुर में बी-पैक्स समिति के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित



भोपाल। सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, इंदौर द्वारा बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित, हिरपुरटेका, जिला शाजापुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायक प्रबंधक श्री संतोष शर्मा, विक्रेता श्री दौलत सिंह, श्री नवीन कारपेंटर सहित संस्था के सम्माननीय सदस्य एवं कृषक बंधु उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला शिक्षा प्रशिक्षक श्री प्रदीप कुमार रैकवार ने प्रतिभागियों को सहकारिता की पृष्ठभूमि एवं विकास की जानकारी प्रदान की। उन्होंने सहकारिता के मूल सिद्धांतों को सरल एवं व्यावहारिक रूप से समझाते हुए सहकारी संस्थाओं की भूमिका एवं महत्व पर प्रकाश डाला।

प्रशिक्षण के दौरान सहकारी समितियों में नवाचार को बढ़ावा देने, सहकारिता को व्यवसाय से जोड़ने तथा सहकारी संस्थाओं को एक दक्ष एवं प्रभावी व्यवसाय मॉडल के रूप में विकसित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही बदलते समय के अनुरूप समितियों में नई गतिविधियों एवं व्यवसायिक अवसरों को अपनाने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर समिति प्रबंधक द्वारा संस्था की कार्यप्रणाली एवं संचालित गतिविधियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए प्रशिक्षक एवं सभी उपस्थित प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य सहकारी समितियों की कार्यक्षमता बढ़ाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने तथा सहकारिता के माध्यम से किसानों एवं सदस्यों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान करना रहा।

सहकारी समितियों से प्रत्येक किसान को जोड़ना प्राथमिकता - श्री यादव

अपेक्स बैंक प्रशासक ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजगढ़ में सदस्यता महाअभियान सहित बैंकिंग गतिविधियों की समीक्षा की



भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। किसानों को शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाने तथा उन्हें सहकारी व्यवस्था से जोड़ने के उद्देश्य से प्रदेश में प्रारंभ किए गए सदस्यता महाअभियान के अंतर्गत अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेंद्र सिंह यादव ने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजगढ़ में सदस्यता अभियान सहित बैंक की विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की। श्री यादव ने कहा कि किसानों को सहकारी समितियों से जोड़ना शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी उद्देश्य से प्रदेश के विभिन्न संभागों एवं जिलों का भ्रमण कर सदस्यता महाअभियान की प्रगति की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियां किसानों को शासन की योजनाओं, कृषि ऋण, खाद एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उन्होंने कहा कि समिति प्रबंधक सहकारी आंदोलन की रीढ़ हैं और शासन तथा आमजन के बीच महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करते हैं। उनकी जिम्मेदारी है कि दूरस्थ अंचलों में निवास करने वाले प्रत्येक पात्र किसान को सहकारी समिति से जोड़ा जाए। इसके लिए किसानों

के साथ मृदुभाषी व्यवहार, बेहतर कार्यप्रणाली एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कार्य करते हुए उन्हें सहकारिता से जोड़ने के प्रयास किए जाएं। श्री यादव ने राजगढ़ जिले में सदस्यता महाअभियान की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर समीक्षा के बाद आगामी समय में समिति स्तर पर भी पहुंचकर अभियान की प्रगति एवं किसानों से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी ली जाएगी।

एक वर्ष की अवधि में 3 लाख रुपये तक के ऋण का लाभ

श्री यादव ने कहा कि पूर्व में रबी एवं खरीफ फसलों के लिए 6 माह की अवधि के लिए शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जाता था, जिससे किसानों को ऋण चुकाने में व्यावहारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। किसानों के हित में किए गए आग्रह पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा अब ऋण चुकाने की अवधि एक वर्ष की गई है। इससे किसान एक वर्ष की अवधि में 3 लाख रुपये तक का ऋण शून्य प्रतिशत ब्याज पर चुका सकेंगे और पात्रानुसार आगामी वर्ष पुनः ऋण प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराना किसानों के हित में

महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि पूर्व में किसानों को कृषि ऋण पर अपेक्षाकृत अधिक ब्याज दर का सामना करना पड़ता था, जबकि वर्तमान व्यवस्था से किसानों को बड़ी राहत मिली है।

बैंक की तीन वर्ष की प्रगति का प्रस्तुतिकरण

बैठक में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दीपक रघुवंशी ने बैंक की गतिविधियों एवं बैंकिंग कार्यप्रणाली का प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने विगत तीन वर्षों में बैंक द्वारा क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों की जानकारी दी। इनमें ऋण वितरण, खाद वितरण, जमा वृद्धि, सदस्यता महाअभियान, वृक्षारोपण, ऋण वसूली तथा सहकारी समितियों में आयोजित चौपाल सहित अन्य गतिविधियां शामिल रहीं। प्रस्तुतिकरण के दौरान बताया गया कि बैंक द्वारा विगत तीन वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर प्रगति दर्ज की गई है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजगढ़ विगत तीन वर्षों से लगातार लाभ की स्थिति में है। बैठक में उपायुक्त सहकारिता श्री पी.एस. बारोटिया, बैंक के सभी शाखा प्रबंधक, पर्यवेक्षक तथा मुख्यालय के सभी कक्ष प्रभारी उपस्थित रहे।

सहकारी प्रशिक्षण केंद्र इंदौर द्वारा दुपाड़ा में एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित



भोपाल। सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, इंदौर द्वारा बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्था मर्यादित, दुपाड़ा, जिला शाजापुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायक प्रबंधक श्री प्रमोद शर्मा, विक्रेता श्री सुनील चावले, श्री सचिन राठौर सहित संस्था के सम्माननीय सदस्य एवं कृषक बंधु उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान जिला शिक्षा प्रशिक्षक

श्री प्रदीप कुमार रैकवार ने प्रतिभागियों को सहकारिता की पृष्ठभूमि एवं विकास यात्रा की जानकारी दी। उन्होंने सहकारिता के मूल सिद्धांतों को सरल एवं व्यावहारिक रूप से समझाते हुए सहकारी संस्थाओं की भूमिका एवं महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण में सहकारी समितियों में नवाचार को बढ़ावा देने, व्यवसाय के नए अवसर विकसित करने तथा सहकारिता को एक दक्ष एवं लाभकारी व्यवसाय

मॉडल के रूप में विकसित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। साथ ही संस्था के सदस्यों एवं कृषकों को सहकारी गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर समिति प्रबंधक द्वारा संस्था की कार्यप्रणाली एवं संचालित गतिविधियों की जानकारी दी गई। उन्होंने प्रशिक्षण में उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं प्रशिक्षक का आभार व्यक्त किया।

रतलाम में FPO एवं व्यवसाय विकास योजना विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न



भोपाल। सहकारी प्रशिक्षण केंद्र, इंदौर द्वारा बहुउद्देशीय सेवा सहकारी संस्था मर्यादित, हाटपिपलिया, जिला रतलाम में “कृषक उत्पादक संगठन (FPO) एवं व्यवसाय विकास योजना” विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को सहकारिता आंदोलन की पृष्ठभूमि, सहकारिता के मूल सिद्धांतों एवं सफल सहकारी संस्थाओं के उदाहरणों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही कृषक

उत्पादक संगठन (FPO) की अवधारणा, गठन, संचालन, उद्देश्य एवं किसानों के लिए इसके विभिन्न लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को FPO के माध्यम से किसानों को सामूहिक रूप से संगठित कर कृषि उत्पादों के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं विपणन से जोड़ने तथा व्यवसायिक गतिविधियों के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने की संभावनाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में संस्था प्रबंधक

श्री कमलसिंह चंद्रावत, सहायक प्रबंधक श्री मुकेश पोलाय, कर्मचारीगण एवं संस्था के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

समापन अवसर पर संस्था प्रबंधक श्री कमलसिंह चंद्रावत ने संस्था एवं समस्त प्रतिभागियों की ओर से प्रशिक्षण केंद्र एवं प्रशिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रशिक्षणार्थियों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को संस्था की आगामी गतिविधियों एवं व्यवसाय विकास में उपयोग करने की बात कही।

FPO की मजबूती के लिए 750 सदस्यता लक्ष्य और व्यावसायिक गतिविधियों पर विशेष जोर



जावरा/नामली, जिला रतलाम। मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा क्लस्टर आधारित व्यावसायिक संगठन (CBBO) के अंतर्गत सांवरिया कृषक उत्पादक संगठन, जावरा एवं पारस्परिक कृषक उत्पादक संगठन, नामली का भ्रमण कर सदस्यता विस्तार एवं संभावित व्यावसायिक गतिविधियों की समीक्षा की गई। भ्रमण के दौरान मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ, भोपाल के श्री संतोष येड़े, सोशल मोबिलाइजेशन एक्सपर्ट एवं श्री सुभाष नंद तिवारी, मार्केटिंग एवं वैल्यू एडिशन एक्सपर्ट द्वारा दोनों FPO के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

बैठक में 750 किसान सदस्यों का लक्ष्य शीघ्र पूर्ण करने के लिए ग्रामवार सदस्यता अभियान चलाने पर विशेष जोर दिया गया। प्रत्येक गांव में किसान बैठकें आयोजित कर किसानों को FPO से जुड़ने के लाभ बताते हुए अधिक से अधिक किसानों को सदस्य बनाने तथा सदस्यता को व्यावसायिक गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए गए। विशेषज्ञों ने प्रत्येक गांव में प्रमुख फसलों, रकबे, उत्पादन, किस्म एवं वर्तमान विपणन व्यवस्था की जानकारी एकत्रित कर स्थानीय उत्पादन और बाजार की मांग के अनुरूप एकत्रीकरण, ग्रेडिंग-सॉर्टिंग, पैकिंग, प्राथमिक प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, कृषि आदान एवं सामूहिक विपणन जैसी गतिविधियों का चयन कर व्यवहारिक बिजनेस प्लान तैयार करने पर जोर दिया।

बैठक में कहा गया कि FPO का उद्देश्य केवल सदस्य संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि किसान सदस्यों के स्वामित्व वाली सक्रिय, आत्मनिर्भर एवं लाभकारी व्यावसायिक संस्था के रूप में विकसित होना है। कार्यक्रम में जावरा एवं नामली दोनों कृषक उत्पादक संगठनों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संचालक मंडल के सदस्य, CEO, अकाउंटेंट तथा किसान सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सदस्यता विस्तार एवं स्थानीय स्तर पर व्यावसायिक गतिविधियां प्रारंभ करने की कार्ययोजना पर चर्चा की।

DCCB की होगी रैंकिंग, सहकारी बैंकिंग में पारदर्शिता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। देश की सहकारी बैंकिंग व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में सहकारिता मंत्रालय ने महत्वपूर्ण पहल की है। मंत्रालय द्वारा देशभर के जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (DCCBs) के लिए प्रस्तावित रैंकिंग फ्रेमवर्क की समीक्षा की गई। सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष भूटानी ने प्रस्तावित रैंकिंग व्यवस्था की समीक्षा करते हुए इसके विभिन्न मानकों पर चर्चा की। रैंकिंग का उद्देश्य DCCBs के प्रदर्शन का निष्पक्ष, वस्तुनिष्ठ और तुलनात्मक मूल्यांकन करना है। इससे बेहतर प्रदर्शन करने वाले बैंकों को पहचान मिलने के साथ अन्य बैंकों को भी अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रस्तावित रैंकिंग फ्रेमवर्क के तहत DCCBs का मूल्यांकन पांच प्रमुख मापदंडों पर किया जाएगा। इनमें वित्तीय प्रदर्शन, गतिविधियां एवं सेवाएं, अधोसंरचना एवं परिसंपत्तियां, ऑडिट स्थिति तथा संस्थागत प्रोफाइल शामिल हैं। रैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से बैंकों की कार्यप्रणाली और उपलब्धियों की तुलना एक समान आधार पर की जा सकेगी। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंकों की Best Practices को सामने लाकर अन्य सहकारी बैंकों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया जाएगा।

DCCB ग्रामीण एवं सहकारी ऋण व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। ऐसे में प्रस्तावित रैंकिंग प्रणाली से बैंकों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ने के साथ उनकी कार्यकुशलता, परिचालन क्षमता और सेवा वितरण में सुधार होने की उम्मीद है। यह पहल सहकारी बैंकों में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने में भी सहायक होगी।

समीक्षा बैठक में संयुक्त सचिव शिव पाल सिंह, निदेशक कुमार राम कृष्ण सहित सहकारिता मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। प्रस्तावित DCCB Ranking Framework का उद्देश्य स्पष्ट है—बेहतर प्रदर्शन, बेहतर सेवाएं और मजबूत सहकारी बैंकिंग व्यवस्था।

प्रगति कृषक उत्पादक संगठन निपानिया लीला में सदस्यता विस्तार एवं व्यवसाय विकास हेतु सघन भ्रमण



सदस्यता अभियान के साथ-साथ संगठन की व्यावसायिक गतिविधियों को गति देने के लिए नियमित ग्राम संपर्क, कृषक बैठक एवं संभावित व्यवसायों की पहचान करने की सलाह दी।

विशेषज्ञों द्वारा स्पष्ट किया गया कि मजबूत सदस्यता आधार, पर्याप्त अंशपूंजी, कृषकों की सक्रिय भागीदारी और स्थानीय आवश्यकता पर आधारित लाभकारी व्यवसाय किसी भी FPO की स्थायी प्रगति के प्रमुख आधार हैं। भ्रमण के दौरान प्रगति कृषक उत्पादक संगठन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अकाउंटेंट, संचालक मंडल के सदस्य तथा संबंधित ग्रामों के कृषक उपस्थित रहे। कृषकों ने संगठन की गतिविधियों एवं संभावित व्यवसायों को लेकर अपने सुझाव भी साझा किए।

सघन भ्रमण, समीक्षा एवं ग्राम स्तरीय बैठकों के माध्यम से प्रगति कृषक उत्पादक संगठन निपानिया लीला को 300 सदस्य लक्ष्य की शीघ्र पूर्ति, सदस्यता एवं अंशपूंजी वृद्धि तथा क्षेत्र की कृषि उपज एवं बाजार मांग के अनुरूप व्यवहारिक व्यावसायिक गतिविधि प्रारंभ करने की दिशा में कार्य करने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

भोपाल। प्रगति कृषक उत्पादक सहकारी संगठन, निपानिया लीला, विकासखंड आलोट, जिला रतलाम में कृषक सदस्यता विस्तार, संगठन की प्रगति की समीक्षा तथा स्थानीय स्तर पर संभावित व्यावसायिक गतिविधियों की पहचान के उद्देश्य से मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ, भोपाल (CBBO) के विशेषज्ञों द्वारा सघन भ्रमण एवं ग्राम स्तरीय कृषक बैठकों का आयोजन किया गया। भ्रमण दल में मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ, भोपाल के श्री संतोष येड़े, सोशल मोबिलाइजेशन एक्सपर्ट तथा श्री सुभाष नन्द तिवारी, मार्केटिंग एवं वैल्यू एडिशन एक्सपर्ट शामिल रहे।

FPO कार्यालय में प्रगति की विस्तृत समीक्षा

भ्रमण कार्यक्रम के प्रथम चरण में ताल स्थित FPO कार्यालय में FPO के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (CEO), अकाउंटेंट एवं संचालक मंडल के सदस्यों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की वर्तमान प्रगति, कृषक सदस्यता, अंशपूंजी, किसानों की सहभागिता तथा व्यवसाय प्रारंभ करने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों द्वारा सदस्यता अभियान को प्राथमिकता देते हुए FPO को इस माह के अंत तक न्यूनतम 300 कृषक सदस्यों का निर्धारित लक्ष्य पूर्ण करने के लिए ग्रामवार अभियान चलाने पर जोर दिया गया। इसके लिए संचालक मंडल, CEO एवं अकाउंटेंट को गांवों में

सीधे कृषकों से संपर्क कर उन्हें FPO की सदस्यता से जोड़ने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने हेतु मार्गदर्शन दिया गया।

मरमियाखेड़ी, करवाखेड़ी एवं मुंडलाकला में कृषक बैठकें

सदस्यता अभियान को जमीनी स्तर पर गति देने के उद्देश्य से भ्रमण दल द्वारा मरमियाखेड़ी, करवाखेड़ी एवं मुंडलाकला ग्रामों में कृषकों के साथ ग्राम स्तरीय बैठकें आयोजित की गईं। बैठकों में कृषकों को कृषक उत्पादक संगठन से जुड़ने के उद्देश्य एवं लाभों की विस्तार से जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि संगठित होकर कृषि आदान की सामूहिक खरीदी, कृषि उपज का एकत्रीकरण एवं विपणन, मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण तथा विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों के माध्यम से बेहतर बाजार अवसर विकसित किए जा सकते हैं। साथ ही कृषकों को FPO के माध्यम से उपलब्ध हो सकने वाली विभिन्न शासकीय योजनाओं एवं सुविधाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक संख्या में संगठन की सदस्यता ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया गया।

C-PPP मॉडल पर हुई विस्तृत चर्चा

कृषक बैठकों के दौरान C-PPP मॉडल पर भी विस्तार से चर्चा की गई। किसानों एवं FPO प्रतिनिधियों को इस मॉडल के अंतर्गत संभावित गतिविधियों, किसानों की भागीदारी तथा FPO की भूमिका के संबंध में जानकारी दी गई। क्षेत्र

में इस मॉडल के माध्यम से व्यवहारिक एवं आयवर्धक गतिविधियां विकसित करने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया।

स्थानीय उपज और बाजार मांग के आधार पर व्यवसाय की तलाश

भ्रमण का एक प्रमुख उद्देश्य FPO को केवल सदस्यता तक सीमित न रखते हुए उसे व्यावसायिक रूप से सक्रिय एवं आत्मनिर्भर संगठन के रूप में विकसित करना रहा। इसके लिए विशेषज्ञों द्वारा क्षेत्र में उत्पादित प्रमुख कृषि एवं उद्यानिकी उपज, किसानों की उत्पादन क्षमता, स्थानीय बाजार की मांग, उपलब्ध संसाधन, उपज के एकत्रीकरण, विपणन, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन की संभावनाओं के संबंध में किसानों एवं FPO प्रतिनिधियों से जानकारी प्राप्त की गई।

इस दौरान इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि FPO ऐसी व्यावसायिक गतिविधियों की पहचान करे जिनमें स्थानीय किसानों की सीधी भागीदारी हो, क्षेत्र में पर्याप्त उत्पादन उपलब्ध हो तथा बाजार में उत्पाद की निरंतर मांग बनी रहे। संभावित गतिविधियों का व्यावहारिक एवं आर्थिक आकलन कर आगामी कार्ययोजना तैयार करने पर सहमति बनी।

सदस्यता के साथ व्यवसाय वृद्धि पर रहेगा विशेष फोकस

मध्य प्रदेश राज्य सहकारी संघ, भोपाल के विशेषज्ञों ने FPO के CEO,

अकाउंटेंट एवं संचालक मंडल को

DCCB की होगी रैंकिंग, सहकारी बैंकिंग में पारदर्शिता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को मिलेगा बढ़ावा



नई दिल्ली। देश की सहकारी बैंकिंग व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में सहकारिता मंत्रालय ने महत्वपूर्ण पहल की है। मंत्रालय द्वारा देशभर के जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (DCCBs) के लिए प्रस्तावित रैंकिंग फ्रेमवर्क की समीक्षा की गई। सहकारिता मंत्रालय के सचिव डॉ. आशीष भूटानी ने प्रस्तावित रैंकिंग व्यवस्था की समीक्षा करते हुए इसके विभिन्न मानकों पर चर्चा की। रैंकिंग का उद्देश्य DCCBs के प्रदर्शन का निष्पक्ष, वस्तुनिष्ठ और तुलनात्मक मूल्यांकन करना है। इससे बेहतर प्रदर्शन करने वाले बैंकों को पहचान मिलने के साथ अन्य बैंकों को भी अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रस्तावित रैंकिंग फ्रेमवर्क के तहत DCCBs का मूल्यांकन पांच प्रमुख मापदंडों पर किया जाएगा। इनमें वित्तीय प्रदर्शन, गतिविधियां एवं सेवाएं, अधोसंरचना एवं परिसंपत्तियां, ऑडिट स्थिति तथा संस्थागत प्रोफाइल शामिल हैं। रैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से बैंकों की कार्यप्रणाली और उपलब्धियों की तुलना एक समान आधार पर की जा सकेगी। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंकों की Best Practices को सामने लाकर अन्य सहकारी बैंकों को भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया जाएगा।

DCCB ग्रामीण एवं सहकारी ऋण व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। ऐसे में प्रस्तावित रैंकिंग प्रणाली से बैंकों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ने के साथ उनकी कार्यकुशलता, परिचालन क्षमता और सेवा वितरण में सुधार होने की उम्मीद है। यह पहल सहकारी बैंकों में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करने में भी सहायक होगी।

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मुख्यालय में गरिमामय वातावरण में मनाया गया 80वाँ स्वतंत्रता दिवस



भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के मुख्यालय में 80वाँ स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति, उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' एवं राष्ट्रगान 'जन गण मन' के साथ हुआ। इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ के प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन ने ध्वजारोहण किया। समारोह में संघ के महाप्रबंधक श्री संजय कुमार सिंह, अधिकारी-कर्मचारीगण तथा संघ की एम्प्लॉयड संस्था सीड संस्था के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी उपस्थितजनों ने राष्ट्रध्वज को

नमन करते हुए देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

तिरंगा यात्रा से गुंजा देशभक्ति का स्वर

ध्वजारोहण के पश्चात प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा शाहपुरा एवं त्रिलंगा क्षेत्र से होते हुए मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मुख्यालय पहुंची। यात्रा में संघ के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सहभागी संस्था के

प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। तिरंगा यात्रा के दौरान 'वंदे मातरम्', 'भारत माता की जय', 'जय जवान-जय किसान' तथा 'देश के वीर सपूतों की जय' जैसे देशभक्ति के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान एवं देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत इस यात्रा के माध्यम से 'हर घर तिरंगा' अभियान का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाया गया।

राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान का आह्वान

इस अवसर पर प्रबंध संचालक श्री

ऋतुराज रंजन ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 80वाँ स्वतंत्रता दिवस हमें उन अमर शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों एवं राष्ट्रनायकों के त्याग, संघर्ष और बलिदान का स्मरण कराता है, जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए देश की प्रगति, विकास एवं समृद्धि में सक्रिय योगदान दें। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से मध्यप्रदेश राज्य

सहकारी संघ तथा सहकारिता के माध्यम से किसानों, ग्रामीण समुदायों एवं समाज के आर्थिक-सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

श्री रंजन ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हुए विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रप्रेम, एकता, कर्तव्यनिष्ठा एवं देश के विकास में सक्रिय सहभागिता के संकल्प के साथ हुआ।

अपेक्स बैंक में मनाया गया 80वाँ स्वतंत्रता दिवस



भोपाल। अपेक्स बैंक भोपाल के प्रांगण में 80वें स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर बैंक के प्रशासक श्री महेंद्र सिंह यादव ने प्रातः 8:00 बजे ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण से पूर्व उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रीय गान एवं राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री महेंद्र सिंह यादव ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के निर्देश एवं नेतृत्व में मध्यप्रदेश में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में माननीय सहकारिता

मंत्री जी के मार्गदर्शन में उन्होंने मध्यप्रदेश के 9 संभागों एवं 27 जिलों का प्रवास कर दूरस्थ अंचलों में निवास करने वाले किसानों को सहकारी आंदोलन से जोड़ने के प्रयास किए हैं।

उन्होंने बताया कि इन प्रयासों के परिणामस्वरूप अभी तक लगभग 3 लाख नए किसान सहकारी समितियों से जुड़े हैं, जिससे सदस्यता शुल्क एवं अंश पूंजी के रूप में लगभग ₹. 18 करोड़ की राशि प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि अब ये नवीन किसान भी 0 प्रतिशत ब्याज दर पर ₹. 3 लाख तक का ऋण प्राप्त करने की सुविधा से लाभान्वित हो सकेंगे।

श्री यादव ने कहा कि सहकारिता

के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना राज्य के कृषक कल्याण के संकल्प को मजबूत करता है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि माननीय प्रधानमंत्री जी के सशक्त एवं समृद्ध भारत के सपने को साकार करने की दिशा में पूरी ईमानदारी, निष्ठा एवं मेहनत के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का संकल्प लें। कार्यक्रम में श्री मनोज गुप्ता, श्रीमती अरुणा दुबे, श्री अरुण मिश्रा, श्री के.टी. सज्जन, श्री अरविन्द बौद्ध सहित बैंक के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।